

अबरे छुपावा नहीं, आपता है

# शाह टाइम्स

मुजफ्फरनगर, सोमवार 13 अक्टूबर 2025 उत्तर प्रदेश संस्करण: वर्ष 26 अंक 272 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

M shahtimes2015@gmail.com कार्तिक कृष्ण पाल 7 बिक्री मंड़ा 2082 20 खेड़ लाली 1447 हिजरी नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हड्डानी, मुदामाद, बोली, भेट व लखनऊ से प्रकाशित

## ऑपरेशन ब्लू स्टार गलत था: चिंदंबरम

कहा: इंदिरा गांधी को जान देकर चुकानी पड़ी कीमत

कर्सोली (हिमाचल प्रदेश)  
वार्ता

पूर्व गृह एवं वित्त मंत्री पी. चिंदंबरम ने 1984 में इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली सरकार के तहत ऑपरेशन ब्लू स्टार की आलोचना की और इसे गलत रत्नका बताया। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने इस गलती की कीमत अपनी जान देकर चुकाई।

खुशबूत  
सिंह साहित्य  
महास्त्रव 2025 में बोलते हुए, पूर्व केंद्रीय गृह और वित्त मंत्री कहा विषय पूजा स्थल से सेना को बाहर रखकर स्वर्ण मंदिर को पुनः प्राप्त करने के लिए ऑपरेशन ब्लू स्टार की शर्त सही तरीका था। पी. चिंदंबरम ने कहा कि जून 1984 का ऑपरेशन ब्लू स्टार सेना, पुलिस, खुफिया और सिविल सेवाओं का एक संचयी निर्णय था। उन्होंने कहा कि यहाँ किसी भी सैन्य अधिकारी का कोई अनादर नहीं है, लेकिन वह (ब्लू स्टार) स्वर्ण मंदिर को पुनः प्राप्त करने का गलत तरीका था। कुछ साल बाद, हमें सेना को बाहर रखकर स्वर्ण मंदिर को पुनः प्राप्त करने का सही तरीका दिखाया। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आप इसके लिए केवल इंदिरा गांधी को दोषी नहीं हड्डा सकतों। चिंदंबरम लेखिका हार्दिक बाबेजा के साथ वे विल शट यू मैडम; माई लाइफ़: कॉफिन्लक्ट पर एक चर्चा के दौरान एक सभा को संबोधित

■ 1984 ऑपरेशन  
ब्लू स्टार सेना, पुलिस,  
खुफिया और सिविल  
सेवाओं का संचयी  
निर्णय था

चिंदंबरम के बयान पर  
कांग्रेस आलाकमान नाराज

नई दिल्ली कांग्रेस के वरिष्ठ नेता थे। विदेश के अंतर्स्थान वाले भारत में गया है। कांग्रेस के कई नेताओं ने उनके बयान को लेकर नायोंगी जारी की है। सूतों के मुताबिक, कांग्रेस आलाकमान मीडियों के लिए उनके बयान से नायोंगी है। शीर्ष नेतृत्व से लेकर अपने बयान से नायोंगी है। उन्होंने संचयी निर्णय था। उन्होंने कहा कि यहाँ किसी भी सैन्य अधिकारी का कोई जारी नहीं है, लेकिन वह (ब्लू स्टार) स्वर्ण मंदिर को पुनः प्राप्त करने का गलत तरीका था। एसी खबर थी कि

कांग्रेस का  
इतिहास  
कमरें से भरा  
नई दिल्ली।  
चिंदंबरम के बयान पर  
केंद्रीय मंत्री किरण  
परिज्ञान ने अपनी  
कांग्रेसी दी। उन्होंने  
कहा कि चिंदंबरम पहले  
26/11 पर विदेशी दबाव  
को खुलासा कर चुके हैं।  
कहना है कि विदेशी दबाव  
को खुलासा कर चुके हैं। तो  
उन्होंने उन्हें बताया है, तो  
उन्होंने कहा कि ये सवाल  
भारत से पूछिए हैं तो  
कोई दिक्कत नहीं है, हमारा दिल  
बड़ा है। मुताकी ने यह कहा कि  
कि अफगानिस्तान को सभी पड़ोसी  
देशों के साथ शांति और  
सहयोग पूर्ण संबंध चाहता है,  
चाहे वो पाकिस्तान हो या भारत।  
उन्होंने उन्हें बताया है, कि किसी  
ताक वो पाकिस्तान हो या भारत।  
उन्होंने क्षेत्रीय संघों में किसी  
संगठन दमदारी टक्कसाल का प्रमुख  
भिंडरावाल के नेतृत्व में सिख  
था। जून 1984 में स्वर्ण मंदिर  
उग्रवाल को रोकने के लिए परिसर से उत्तराधिकारों को बाहर  
प्रवक्ता आरपी सिंह ने  
कहा कि चिंदंबरम ने  
सच्चाई कही।

भिंडरावाल ने स्वर्ण मंदिर परिसर में  
भारी मात्रा में हाथियार छिपा रखी थी।  
भिंडरावाले कट्टरपंथी सिख  
संगठन दमदारी टक्कसाल का प्रमुख  
था। जून 1984 में स्वर्ण मंदिर  
उग्रवाल को रोकने के लिए परिसर से उत्तराधिकारों को बाहर  
किया गया था। भारतीय सेना  
के आरपी पर ऑपरेशन ब्लू स्टार के  
तहत भारतीय सेना ने स्वर्ण मंदिर में  
अनुयायियों के साथ मारा गया था।

Hero

## आया त्योहार, हीरो पे सवार

# केवल ₹5000 लाये हीरो का फोई भी घावन घट ले जायें

**Splendor+ XTEC II**

**HF Deluxe**

**धनतेरस और दिपावली की बुकिंग कराने पर पाए निश्चित छैंच कूपन व उपहार**

**कोई भी पुरानी बाईक बेचने के लिए सम्पर्क करें**

**₹1000\***  
अतिरिक्त बुकिंग डिस्काउंट

**6.99%\***  
कम ब्याज दर

**SHREE BALA JI HERO**

रामपुर चौराहा, रुड़की रोड, निकट पुलिस चौकी, मु.नगर

M: 9520991314, 9520991316

EVERYONE SAID 'GST'  
**WE SAID 'MORE'.**

MORE THAN GST SAVINGS ON MAHINDRA SUVs,  
TOTAL BENEFITS UP TO ₹2.56 LAKH\*.

**THAR ROXX**

New Ex-Showroom Price starting at ₹12.25 Lakh\*

GST Savings Up to ₹1.33 Lakh*	Additional Benefits Up to ₹0.20 Lakh*
----------------------------------	--

**XUV 700**

New Ex-Showroom Price starting at ₹13.66 Lakh\*

GST Savings Up to ₹1.43 Lakh*	Additional Benefits Up to ₹0.81 Lakh*
----------------------------------	--

**Bolero Neo**

New Ex-Showroom Price starting at ₹8.92 Lakh\*

GST Savings Up to ₹1.27 Lakh*	Additional Benefits Up to ₹1.29 Lakh*
----------------------------------	--

\*The benefit mentioned is of a particular model & variant. Benefits will vary depending on the model & variant selected.  
\*\*The price mentioned is the ex-showroom price (All-Inclusive) of the base variant of that particular model and may vary as per the model and variant.  
For more details, please contact your nearest authorized Mahindra dealership.

To book online visit [auto.mahindra.com](http://auto.mahindra.com).

T & C Apply\*

MAHINDRA RISE

A2Z AUTOWHEELS PVT. LTD.	SHREE SHYAM JI AUTOMOTIVE	JAI KUMAR ARUN KUMAR PVT. LTD.	SHIVA AUTO CORP	TIRUPATI VEHICLES PVT. LTD.
MUZAFFARNAGAR 7617595008 8392954021	SHAMLI 7617595008	MEERUT 7428594673 7302255500	MEERUT 9711831908	MAWANA 9711831908

SHIVA AUTO CORP  
BULANDSHAHAR  
7617595010  
8929088709

BINOR  
7617595014

SAHARANPUR  
7617595014

GAJRAULA  
7617595014

DHAMPUR  
7617595014

DEOBAND  
7617595014

GANGOH  
7617595014

+







## मरखने सांड ने ग्रामीण को टक्कर मारकर किया घायल

**बुद्धाना।** मरखना सांड कई दिनों से गांव बड़काते के ग्रामीणों को छका रहा है। एक ग्रामीण को उसकी ही तरफ को दौड़ पड़ता तो वह और किसी भी अकले ग्रामीण को देखकर उसकी ओर मारने लौटता है। बच्चे भी घर से खेलने के लिए बाहर नहीं आ रहे हैं। मिनी जानकारी के अनुसार बुद्धाना ज्वाक क्षेत्र के गांव बड़कात में लगभग तीन महीने पूर्व एक सांड कहीं से आ गया था। गांव के लोग उसे सोने से चार देने लगे तो वह हक्की की बहते बन गया था लेकिन तीन चार दिन से इस सांड का व्यवहार एकदम बल्ले गया। सांड ने गांव में भेजा और खुद भी पूर्व तरह से सांड को इंजेक्शन लगाए।

और ग्रामीणों को दौड़ाने लगा। तब आज रविवार की दो सांड ग्रामीणों ने यह चिकित्सा विभाग के चालक के विरुद्ध रोष जताए हुए सांड को छला था।

### भाकियू ने दे डाली चेतावनी....

**बुद्धाना।** इस संबंध में भारतीय विसान यूनियन के जिला उपाध्यक्ष अनुज गुरुवार ने गोर व्यक्त कर रखिया को कोई प्रेस विज्ञापन करते हुए किसी प्रशासन को बार बार अवगत कराने के बावजूद कोई भी अधिकारी इस विकाराल समस्या को सुनने के बिल्कुल भी तैयार नहीं है। आगे किसी किसान या आमजन को कोई नुकसान हुआ तो इसका जिम्मेदार प्रशासन होगा। वहाँ भाकियू तरह सांड अध्यक्ष संजीव पंवार ने कहा कि बुद्धाना बीड़ीओं के पास कल तक का समय है। वे सांड को पकड़कर किसी गोशाला में भेज दें अन्यथा मंगलवार को बीड़ीओं को उपस्थिति में इस सांड को बुद्धाना बीड़ीओं के अफिस में रखा जाएगा।

### क्या कहते हैं बीड़ीओं...

**बुद्धाना।** बीड़ीओं सीती सांड गुरुवार से इस संबंध में बात हुई तो उन्होंने बताया कि वे एजाम डड़ी में थे और उन्होंने अपना फान विचार आप कर रखा था। फान अभी खाली है। वे सोमवार में इस समस्या का समाधान जरूर करवा दें।

## सपा नेता प्रमोद त्यागी ने किया गैलरी का उद्घाटन

### शाह टाइम्स संवाददाता

**बुद्धाना।** कव्या बुद्धाना के मौहल्ला मंडी निवासी अमन हसन की बुद्धाना कस्बे में ही स्थित नई शक्ति बलासिक मोबाइल लैलरी का उद्घाटन आज रविवार के दिन कई लोगों को मौजूदगी में समाजवादी पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष प्रमोद त्यागी ने अपने कर कमलों द्वारा पार्टी का उद्घाटन किया। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता प्रमोद त्यागी ने इस दौरान अमन हसन के उच्चल भवियत की कामना इश्वर से की।

इस दौरान यहाँ पर मुख्य रूप से बार एसोसिएशन बुद्धाना के अध्यक्ष विनोद कुमार त्यागी, स्वर्णकर समाज बुद्धाना के अध्यक्ष संजीव कुमार वर्मा सहित कस्बे और क्षेत्र के संकड़ों गणमान्य व्यक्तियों की भी उपस्थिति देखने की मिली। सभी ने वहाँ पर मिल्हान का भी आनंद लिया और नवे प्रतिष्ठान के शुभारम्भ पर शाप आनंद हसन को मुबारकबाद भी दी।



## आल इंडिया आवाम-ए-हिंद के भाईचारा सम्मेलन में उमड़ी भारी भीड़

### शाह टाइम्स संवाददाता

**खत्ताली।** जिले के गांव नंगला रुद्ध में आज आल इंडिया आवाम ए हिंद ने भाईचारा सम्मेलन के भारी भीड़ जुटाकर लोगों को एकप्रत हाने का संदेश दिया और ऐसे दल और परिवर्यों से सचेत रहने को कहा कि हिंदू मुस्लिमों वेर बढ़ाने का जिला उपाध्यक्ष के राष्ट्रीय अध्यक्ष गवर चर्चे एडवाइनर करते हैं। हिंदू ने कहा कि बुद्धाना बीड़ीओं के पास कल तक का समय है। वे सांड को पकड़कर किसी गोशाला में भेज दें अन्यथा मंगलवार को बीड़ीओं को उपस्थिति में इस सांड को बुद्धाना बीड़ीओं के अफिस में रखा जाएगा।



उमड़ीन करते हैं। हम अन्य दलों के पीछे लगाकर आज तक अपना एक लीडर भी खड़ा नहीं कर पाए। बस हम एकत्रित नहीं हो पाए। दलालों की वजह से हम बढ़ते हुए हैं। जब चुनाव आता है तो हम एकजुट नहीं होते बस विद्युत जाते हैं और उनको ही चुनने का काम कर बैठते हैं जो पूरे 5 साल तक हमारा खुलकर

रहे हैं और जो ज्यादा संख्या में हम उनकी सरकार बनाने में भूमिका निभा रहे हैं। यहाँ 500 लोगों ने दिवं के सदृश्य विद्युत की वजह से लालीम पड़वाइकट सुक्रमपाल के शिष्य, गम सिंह गौतम, महेवारा अर्पणी, शकील सैनी, अती जैदी, हाजिज कमलपाल, सुकीप्रधान, एजाज, रिहान त्यागी, शकील कुरीशी आदि जैदी नामों से थोड़े हैं वे सरकार बना

## जीएसटी व्यवस्था से देश के टैक्स ढांचे में आई पारदर्शिता : बालियान



लेकर देश की अर्थव्यवस्था को सरकार। कार्यक्रम उत्साह और जीवा के माहौल में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मंडल प्रभारी सुरभि भारद्वाज, जी. पिंगर, चौधरी, राजेन्द्र जैन, भवेश गुप्ता, विकास चौहान, अस्तु खारी, रोहित, राज, उपाध्यक्ष, अजय सहरावत, श्याम रहेहा, आदि मोजूद रहे।

### संक्षिप्त समाचार

#### महिला किसानों के संघर्ष और सफलता

**की कहानी दिखाएगा डीडी किसान**

नई दिल्ली। महिला किसान दिवस के अवसर पर डीडी किसान चैनल 15 अक्टूबर को दिल्ली का प्रातिशोध महिला किसानों की संघर्ष और सफलता की गथा लेकर एक व्यापारी का विकासी व्यापारियों का गमना जा रहा है। पहला महिला किसान दिवस वर्ष 2016 में आयोजित किया गया था। आकांक्षा डीडी किसान चैनल के स्टॉयल में की गई, जिसमें बारों से जैविक और पर्यावरणीय संतुष्टि के अंत में नई दिशा मिली है, बाजार में स्थिताएँ आई हैं और आम उपयोगीकारों को गहरत मिली है, महिला सरकार के गहरत मिली है।

**गड़दे में बाइक गिरने से दो युवक घायल**

छापरा। छापरा बसेदारी के मार्ग में योगीर घायल हो गए। पुलिस ने दोनों को जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया। शिवायी की राति में लाभार साड़ी आठ कपड़े पुकाजे के गांव खाईंगी डीडी किसान चैनल के स्टॉयल में भर्ती करने की नामजौदा सुरभि भारद्वाज जी. जिसमें बारों वाली जैविक और पर्यावरणीय संतुष्टि के अंत में नई दिशा मिली है।

**महिला किसानों के संघर्ष और सफलता**

**की कहानी दिखाएगा डीडी किसान**

नई दिल्ली। महिला किसान चैनल के अवसर पर डीडी किसान चैनल 15 अक्टूबर को दिल्ली का प्रातिशोध महिला किसानों की संघर्ष और सफलता की गथा लेकर एक व्यापारी का गमना जा रहा है। पहला महिला किसान दिवस वर्ष 2016 में आयोजित किया गया था। आकांक्षा डीडी किसान चैनल के स्टॉयल में की गई, जिसमें बारों से जैविक और पर्यावरणीय संतुष्टि के अंत में नई दिशा मिली है, बाजार में स्थिताएँ आई हैं और आम उपयोगीकारों को गहरत मिली है, महिला सरकार के गहरत मिली है।

**गड़दे में बाइक गिरने से दो युवक घायल**

छापरा। छापरा बसेदारी के मार्ग में योगीर घायल हो गए। पुलिस ने दोनों को जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया। शिवायी की राति में लाभार साड़ी आठ कपड़े पुकाजे के गांव खाईंगी डीडी किसान चैनल के स्टॉयल में भर्ती करने की नामजौदा सुरभि भारद्वाज जी. जिसमें बारों वाली जैविक और पर्यावरणीय संतुष्टि के अंत में नई दिशा मिली है।

**महिला किसानों के संघर्ष और सफलता**

**की कहानी दिखाएगा डीडी किसान**

नई दिल्ली। महिला किसान चैनल के अवसर पर डीडी किसान चैनल 15 अक्टूबर को दिल्ली का प्रातिशोध महिला किसानों की संघर्ष और सफलता की गथा लेकर एक व्यापारी का गमना जा रहा है। पहला महिला किसान दिवस वर्ष 2016 में आयोजित किया गया था। आकांक्षा डीडी किसान चैनल के स्टॉयल में की गई, जिसमें बारों से जैविक और पर्यावरणीय संतुष्टि के अंत में नई दिशा मिली है, बाजार में स्थिताएँ आई हैं और आम उपयोगीकारों को गहरत मिली है, महिला सरकार के गहरत मिली है।

**गड़दे में बाइक गिरने से दो युवक घायल**

छापरा। छापरा बसेदारी के मार्ग में योगीर घायल हो गए। पुलिस ने दोनों को जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया। शिवायी की राति में लाभार साड़ी आठ कपड़े पुकाजे के गांव खाईंगी डीडी किसान चैनल के स्टॉयल में भर्ती करने की नामजौदा सुरभि भारद्वाज जी. जिसमें बारों वाली जैविक और पर्यावरणीय संतुष्टि के अंत में नई दिशा मिली है।

**महिला किसानों के संघर्ष और सफलता**

**की कहानी दिखाएगा डीडी किसान**

नई दिल्ली। महिला किसान चैनल के अवसर पर डीडी किसान चैनल 15 अक्टूबर को दिल्ली का प्रातिशोध महिला किसानों की संघर्ष और सफलता की गथा लेकर एक व्यापारी का गमना जा रहा है। पहला महिला किसान दिवस वर्ष 2016 में आयोजित किया गया था। आकांक्षा डीडी किसान चैनल के स्टॉयल में की गई, जिसमें बारों से जैविक और पर्यावरणीय संतुष्टि के अंत में नई दिशा मिली है, बाजार में स्थिताएँ आई ह











# पाक की बेचैनी

इस समय अफगानिस्तान के विदेश मंत्री सात दिवसीय भारत के दौरे पर आए हुए हैं। इस बीच ऐसी भी खबरें आ रही हैं कि पाक व अफगानिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को लेकर इशारा करती है। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में काफी अंदर घुसकर तहरीके तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) पर सर्जिकल स्ट्राइक की है। जाहिर है टीटीपी पर सर्जिकल स्ट्राइक तो एक बहाना लगती है असल मकसद इसके पांछे कुछ और लगता है। लगता है कि पाकिस्तान अफगानिस्तान के साथ भारत की बढ़ती नजदीकी को पचा नहीं पा रहा है। हालांकि टीटीपी और पाक के बीच संघर्ष कोई नया नहीं है। टीटीपी को हमेशा पाकिस्तान अपने लिए खतरा मानता है और वह यह आरोप भी लगता रहता है कि उसको शह अफगानिस्तान से मिल रही है। ताजा मामले में भी यही कह रहा है कि टीटीपी के विरुद्ध सैन्य कार्रवाई की है। इसी तरह अफगानिस्तान के विदेश मंत्री ने नई दिल्ली में पत्रकारों के सामने विस्तार से बताती है। मुत्ताकी ने पाक पर आरोप लगाया और कहा कि उसने खुद ही अपने कबाली हड्डियों में सैन्य अभियान चलाकर हजारों लोगों को बेघर किया था, जिनमें से कई शरणार्थी के रूप में अफगानिस्तान में रह रहे हैं। मुत्ताकी ने बताया कि ये लोग पाक से आए हैं और अकेगान धरती पर शरणार्थी बनकर रह रहे हैं और ये लोग तब आए थे जब अमेरिका और उसकी समर्थित सरकार अफगानिस्तान में थी, तब इन्हें जगह दी गई थी और अब ये लोग हमारी देखरेख में शांति से रह रहे हैं। मुत्ताकी का यह भी कहना था कि पाकिस्तान अफगान सीमा जिसे ड्यूरंड लाइन के नाम से भी जाना जाता है, 2400 किमी से ज्यादा लंबी है और इसको नियंत्रित करना आसान नहीं है। उन्होंने याद दिलाया कि न इसे चंगे जखानों नियंत्रित कर सका और न ही अंग्रेज। इसको ताकत के बलबूते नहीं संभाला जा सकता। उन्होंने चेतावनभरे लफज में कहा कि पाक के पास बड़ी फौज और बेहतीरी खफिया एजेंसी हैं फिर भी वे इसे खुद क्यों नहीं रोक पा रहे हैं। इस समय करत और सऊदी अब

के हस्तक्षेप से दोनों देशों के बीच कोई सैन्य कार्रवाई न हो रही है, लेकिन मुत्ताकी ने साफ कहा कि अगर पर्शांत व अच्छे रिश्ते नहीं चाहता तो अफगानिस्तान के पास और भी विकल्प मौजूद हैं, लेकिन अफगानिस्तान शास्त्रीय विश्वास रखता है। बड़ी बात मुत्ताकी ने कही वह यह है कि पाक अपने यहां आतंकी समूहों को क्यों काबू नहीं कर सकता है और अपने ही लोगों को खतरे में डालकर कुछ लाभ को खुश करने की क्यों कोशिश कर रहा है। उन्होंने यह कहा कि कुछ ताकतें दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ा रही जहां तक बात भारत की है, अफगानिस्तान के साथ तरह की पहल बेहतर संबंधों को उसने की है व अफगानिदेश मंत्री ने उसको साराहा है यह बड़ी सफलता है।

**निजी कॉलेज परिसर ने सुरक्षा सुनिश्चित करें**

परिचम बंगाल के दुर्गापुर में मैटिकल छात्रा के साथ हुए दुक्षम की वारदात चौंकाने वाली है, हमारी सरकार ऐसी घटनाओं को बिल्कुल बर्दशत नहीं करती, वारदात में शामिल तीन आरोपी गिरफ्तार कर लिए गए हैं, पुलिस अन्य की तलाश कर रही है, किसी का भी बख्खा नहीं जाएगा, निजी कालजों के भी आरोपी की वारदात और आसापास सुक्षा सुनिश्चित करारी चाहिए, वह लड़की निजी मैटिकल कॉलेज में पढ़ रही थी, इसलिए निजी मैटिकल कॉलेज बताए कि वह रात के 12.30 बजे कंसे बाहर आ गई, ऑडिशा में तीन साताह पहले सम्प्रदान टर पर तीन लड़कियों का साथ बलात्कार हुआ, ऑडिशा सरकार ने क्या कार्रवाई की और बंगाल में अगर महिलाओं के साथ कुछ भी दूषित होता है तो हम इसे सामान्य मामला नहीं मानते, यह एक गंभीर मामला है।





**५** स वर्ष देश भर में हुई भारी बारिशों और आधुनिक जल प्रबंधन की विफलता की गंभीर परिणाम झेल रहे हैं। हाल ही में दिल्ली के वसंत कुंड क्षेत्र में तीन बड़े मॉल और आसपास की कॉलोनियों में पानी की सप्लाई पूरी तरह ठप हो जाने से यह सकट फिर सुरुखियों में आया। इन प्रतिष्ठानों का बंद करने की नीतव इसलिए आ गई है क्योंकि इंकरों से इनकी जल आपूर्ति रुक गई, जबकि भूजल दोहन (ग्राउंड वॉटर बोरिंग) पर पहले से ही एनटीटी ने प्रतिबंध लगा रखा है। यह विस्थापन केवल अस्थाई तकनीकी समस्या नहीं, बल्कि एक गहरे प्रशासनिक और नैतिक सकट की ओर सकेत करती है। पिछले सात दशकों में खरबां रुपया जल प्रबंधन पर खच्च किए जाने के बावजूद

एसा क्या है ? दिल्ली जैसे शहर में जहाँ जनसंख्या 2 करोड़ से अधिक है, जल आपूर्ति व्यवस्था लंबे समय से दबाव में है दिल्ली जल बोर्ड के अंकड़ों के अनुसार, शहर में प्रतिदिन करीब 1,000 मिलियन मूरशिल क्षमता से 850 मिलियन गैलन तक पहुँच पाती है। वर्षांत कुंज जैसे पांच इलाकों में भी पिछले कछुवां वर्षों से पानी की कंठियों और निजी टैकरों पर निर्भरता बढ़ी है। परंतु यहाँ वार्षिक प्रशस्ति पहले कहाँ अधिक भवयाही हो गई क्योंकि प्रशस्ति ने सुरक्षा और ट्रैफिक कारणों से टैकरों की आवाज जाही पर रोक लगा दी। इस निर्णय का सबसे बड़ा असर व्यापारिक केंद्रों जैसे मॉल्स, रेस्टरंग और दुकानों पर पड़ा है। इन मॉल्स में हजारों कमंचारी काम करते हैं और प्रतिदिन लाखों ग्राहक आते हैं जिनमें बिना पानी के ऐसी व्यवस्था एक दिन भी नहीं नहीं सकती। जालालाय, सफाई, भोजनलालय, अग्निशमन प्रणाली, सब कुछ जल आपूर्ति पर निर्भर है। जब टैकरों की आपूर्ति रुकी, तो केवल व्यापार ही नहीं, आसपास के आवासीय समाज भी संकट में पड़ गए। दिल्ली सरकार ने कुछ वर्ष पहले भूजल दोहन पर सख्त प्रतिबंध लगाया था ताकि उद्योग यह था कि गिरे जलस्तर को रोका जाए। यह पहल पर्यावरणीय दृष्टि से आवश्यक थी, क्योंकि लगातार दोहन ने फिल्टर के अधिक शंख क्षेत्रों में भूजल को 300 फॉट से भी अधिक नीचे पहुँच दिया था। लेकिन सवाल यह है कि क्या वैकल्पिक व्यवस्था पर्याप्त रूप से विकसित की गई? जब सरकार ने ग्राउंड वॉर्ट बारिंग का

# जल संकट की दस्तक दिल्ली से दूर नहीं



विनीत नारायण

तभी संभव है जब लोग खुद बदलाव का हिस्सा बनें। रेन वॉटर हार्वेस्टिंग और ग्रे-वॉटर रीसाइकिंग जैसे उपाय व्यक्तिगत और सामयिक स्तर पर अपनाएं जा सकते हैं। मॉल्ट्स और हाउसिंग सोसाइटीज में यह व्यवस्था अनिवार्य की जानी चाही, ताकि टैक्टरों पर निर्भरता घटे। दिल्ली का वर्तमान संस्करण लकड़े एक चेतावनी है। अनेक बाल वर्षों में ऐसी घटनाएं और बढ़े सकती हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, यदि टोस करने नहीं उठाए गए तो 2030 तक देश के आधे बड़े शहर 'जल-विहान' क्षेत्रों की श्रेणी में आ सकते हैं। इसलिए अब समय है कि सरकार और समाज दोनों मिलकर दैर्घ्यकालिक रणनीति अपनाएं। गैरतरलब है कि अकबर को राजधानी फैसले पुरानी करी राजनी के अधार के कारण मात्र 15 सालों में ही उड़ान गई थी। महानगरों में वर्षा जल संग्रहण प्रणाली को सख्ती से लागू करना। जल पुनर्वर्कण संयंत्रों की संख्या और क्षमता बढ़ाना। टैक्टर संच। ललन को पारदर्शन और जीपीएस-नियंत्रित बनाना ताकि रिश्वतखोरी पर रोक लगे। यमुना जैसी नदियों की सफाई और पुनर्जीवन को प्राथमिकता देना। पानी की बवादी रोकने के लिए सख्त कानून और जनजातीय संघीयान चलाना। इन कदमों के साथ-साथ यह भी सुनिश्चित करना होगा कि जल प्रबंधन केवल संकट आने पर चर्चा का विषय न बने, बल्कि शहरी नियोजन की मूल नीति का हिस्सा हो। दिल्ली पर आई जल संकट की दस्तक यह याद दिलाता है कि पानी केवल संसाधन नहीं, बल्कि जीवन का आधार है। जब-जब हम इसे समझने में चक्कर रहते हैं, तो सभ्यता के अस्तित्व पर ही प्रश्नचाल हो जाता है। यदि सरकार और नागरिक समाज अब भी इस संकट को गंभीरता से नहीं लेते, तो 'जल युद्ध' भविष्य का नहीं, वर्तमान का शब्द बन जाएगा। जलसंकट का समाधान केवल योजनाओं से नहीं, ईमानदार नीयत और सामूहिक प्रयासों से ही संभव है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

# पेंशन का अधिकार शिक्षकों की मांग

**भा**रतीय शिक्षा प्रणाली के मूल में शिक्षकों  
ही हैं, जो नई पीढ़ी को जन की ज्योति-  
प्रदान करते हैं, लेकिन हाल के वर्षों में  
सरकारी नीतियों और न्यायिक फैसलों  
ने शिक्षकों के सम्बन्ध नई चुनितियाँ खड़ी  
कर दी हैं। एक ओर पुरानी पेंशन योजनाएँ  
की बहाली की मांग सरकारी

कर्मचारियों, विशेषकर अध्यापकों के बीच जारी पकड़ रही है, तो दूसरी ओर सुप्रीम कोर्ट के हालिया आदेश ने टौचर एलिजिविलिंग के TET को अनिवार्य कर दिया है। ये दोनों मुद्दे शिक्षकों की आर्थिक सुरक्षा और पेरेशन योग्यताएँ से जुड़े हैं। इस लेख के माध्यम से हम इन मांगों को सरकार एवं सरकारी संस्थाओं का ध्यानाकरण करेंगे, जो न केवल अध्यापकों की वर्तमान स्थिति को प्रभावित कर रहे हैं, बल्कि भवियत की नीतियों को भी आकर दे रहे हैं। पुरानी पेंशन योजनाएँ सरकारी कर्मचारियों की लावे समय से चर्ची आ रही वह व्यवस्था थी, जिसमें संवादिति के बाद कर्मचारी को अंतिम वेतन का 50 प्रतिशत पेंशन के रूप में मिलता था, जिससे वह अपना शेष जीवन समान से व्यतीत कर पाता था। 2004 के बाद यह लाभ छोड़ दिया गया, जिससे कर्मचारियों को एक तगड़ा शॉक लगा। हालांकि सरकारी कानूनकारी के लालच में सरकारी नौकर इस हक्कि के देवाना और सब कुतना रहा। अध्यापक सम्पादन

जो मुख्य रूप से सरकारी या सहायता प्राप्त स्कॉलों में कार्यरत है, इस बदलाव से सबसे अधिक प्रभावित हुआ है। दूसरी तरफ अन्य विधागां की ओर भी यदि देखा जाए तो वहां पर भी सेवारत कर्मचारियों / अधिकारी वर्ग को इस प्रकार के रीफ्रेश कोर्स करने की आवश्यकता होनी चाहिए मगर ऐसा नहीं है? क्योंकि कार्य क्षमता कसौटी अध्यापकों के लिए ही उपलब्ध हो? पचपन वर्षों की अवस्था पूर्ण कर रहे सभी प्रशासनिक, विधि, राजनीतिक व्यक्तियों के लिए कोई आकलन प्रक्रिया हो जाए तो इन क्षेत्रों में भी जननानस को अपेक्षकृत बेहतर सुविधाएं प्राप्त हो सकती हैं।

सरकार की नई पैंसन योजना के सबध में अध्यापकों का तर्क है कि NPS में निवेश जो खालीपाई है और मुद्रावितीक के साथ पेंशन की राशि अपवृण्यां हो साबित हो रही है। फरवरी 2017 के एक फैसले में कोर्ट ने संवानिवृति से टीक पहले वेतन बढ़ादि (नोटिशेन इंक्रीमेंट) को पेंशन में शामिल करने का निर्देश दिया, जिससे हजारों पूर्व कर्मचारियों को राहत मिली। अध्यापकों की मांग अब OPS की पूर्ण बहाली पर कोटित हो सुप्रीम कोर्ट को हालिया आदेश OPS की नैतिक और कानूनी वैधता को रेखांकित करते हैं। शिक्षक संघों द्वारा मांग की जा रही है कि पुराणी पेंशन योजना को बहाल किया जाए। युनिफाइड पेंशन स्कीम 2025 के तहत सरकार ने कृत गढ़त

दी है, लेकिन अध्यापक इसे अपर्याप्त मानते हैं। पंशन को अनुच्छेद 21 के तहत एक मौलिक अधिकार माना गया है, क्योंकि यह सेवानिवृत्त्यक्तियों को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करता है।

ज्ञानपत्रिका का वितरण अधिकारी प्रश्नों करता है।  
**TET अनिवार्यता**  
 सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला और  
 अध्यापकों की चिंताएं, शिक्षा का अधिकार अधिक  
 नियम 2009 के तहत 2011 से TET को शिक्षक  
 भर्ती के लिए अनिवार्य बनाया गया था, लेकिन  
 सुप्रीम कोर्ट के 1 सितंबर 2025 के फैसले ने इसके  
 और सच्च कार्रवाई के लिए दिया। उक्त ने स्पष्ट किया कि  
 कक्षा 1 से 8 तक के गैर-माइक्रोटी शूक्रों में  
 कार्यरत सभी अध्यापकों, जाह वे RTE से पहले  
 नियुक्त हुए हैं, को TET पास करना होगा। प्रमाण  
 शन के लिए भी TET अनिवार्य है। जिस  
 अध्यापकों के पास 5 वर्ष से कम सेवा शेष है तथा  
 उन्हें छुट दी गई है, वे सेवा जारी रख सकते हैं तथा  
 लेकिन प्रमोशन नहीं, वे सकारात्मक बोले कि वे 2 वर्ष  
 समय दिया गया है, अन्यथा सेवा समाप्ति या  
 अनिवार्य सेवानिवृत्ति हो सकती है। नियुक्ति व  
 समय निर्धारित यांगता पूर्ण मानते हुए ही कोइस  
 सरकारी विभाग व्यक्ति को नियुक्त करता है, इस  
 अध्यापकों ने भी ऐसा ही किया है। अब नियुक्ति  
 के बाद निर्गत आदर्शों का संवारत शिक्षक प  
 लगाया जाना औचित्यपूर्ण नहीं है लालिका के  
 फैसले अन्त अन्त जन्म द्वारा अन्त-प्रातिलिम यस्ते तरह



શહજાદ અલ્

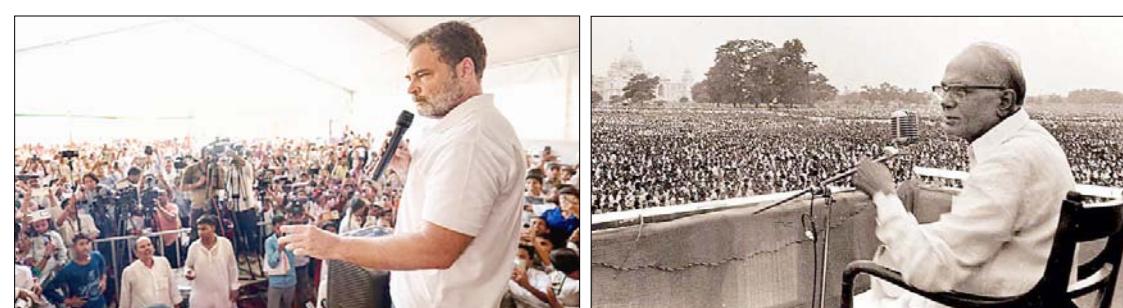
महाराष्ट्र राज्य मामले में आया, जिसमें कोर्ट ने तत्परता की धारा 23 का हवाला देते हुए कहा कि जन्म-शिक्षण योग्यता का न्यूनतम मानक है। इस अदान का प्रभाव स्कूलों में 20-30 लाख अध्यापकों पर पड़ेगा। तमिलनाडु में ही 3 लाख से अधिक अध्यापक प्रभावित हैं, जहां जन्म पास रेट मात्र 10-20 है। शिक्षकों ने ग्राम हैं कि जन्म-पास रेट होने से पहले नियुक्त अध्यापकों को जन्म से छूट दी जाए, क्योंकि उनकी अनुभव और प्रशिक्षण को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। शिक्षा विभाग समय-समय पर विषय आधारित एवं अन्य कौशलों पर आधारित प्रशिक्षण कराता है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री महोदय ने 16 सितंबर 2025 को एस एफ सेंटर के खिलाफ रिक्विपिटेशन दायर करने का निर्देश दिया, स्वागत योग्य पार्टिजिप्टर पहल है कि इससे आशंका की किरण जगी है। अध्यापक मांग कर रहे हैं पुरानी पेंशन योजना को बहाल एवं लागू किया जाए एवं शिक्षा का अधिकार पर टैट नहीं थोका जाए।

(य लखक के निजा विचार ह)

# राहुल को जेपी का स्मरण कराया भी जा सकता है

**बि** हार में परिवर्तन की जो आंधी इस समय चल रही है उसमें उस संपूर्ण क्रांति की झलक तलाश की जा सकती है जो 1974 में लोकनायक जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में हुई थी और जिसके परिणामस्वरूप 1977 में आजारी के बाद पहली बार केंद्र में एक गैर-कांग्रेसी सरकार की स्थापन हुई थी।

एक बड़ा फर्क तब और अब में यह है कि उस समय जो राजनीतिक सत्ता यानी सत्तारूढ़ कांग्रेस खलनायक के रूप में मौजूद थी वह इस समय राहुल की अगुवाई में नायकत्व की भूमिका में है। जिन साप्रदायिक तत्वों यानी तब जनसंघ और आरएसएस ने अपने राजनीतिक हितों के लिए जपीं के 1974 के छात्र-आंदोलन पर कब्जा लिया था कि वे इस समय खलनायकों के गोले में हैं। राहुल की उम्र तब समय चार-पाँच साल की रही होगी। राजीव गांधी और सोनिया गांधी तब सत्ता की राजनीति से कोसे दूर थे। दिल्ली में सत्ता के सारे सूत्र संज्य गांधी और उनकी अतिविश्वसन कटोरी के हाथों में थे। जपीं के साथ 1972 में हुए चंबल घाटी के ऐतिहासिक दस्यु आम-समर्पण के समय से जुड़ा हाने के कारण विहार आंदोलन के दौरान भी लोकनायक के साथ सक्रिय रूप से जुड़ा हआ था। बिहार चौनावों को लेकर यूट्यूब चैनलों पर हानि वाली बहसों के माध्यम से और राहुल गांधी की टीम से नजदीक से जुड़े एक सांसद के जरिए पराहूल तक एक संदेश पहुंचाने की काशिशा मैंने पिछले दिनों की थी। राहुल गांधी तक संदेश यह पहुंचाना था कि उन्होंने युवा शक्ति के माध्यम से



राहुल गांधी पटना सहित बिहार के अन्य स्थानों की यात्रा एं लगातार कर रहे हैं। उनकी ऐतिहासिक वोटर अधिकार यात्रा का समापन भी पटना में ही हुआ था। विषयकी गठबंधन इंडिया ब्लॉक की पहली बैठक भी पटना में ही हुई थी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार उस बैठक के आयोजक थे। केजरीवाल भी उस बैठक में उपस्थित थे। बाद में इंडिया ब्लॉक को धोखा देकर बीजेपी से हाथ मिला लिया। मेरा सुझाव यह था कि राहुल अपनी किसी पटना यात्रा के दौरान अगर जेपी के कदम कुआं स्थित निवास स्थान पहुंचकर संपूर्ण क्रांति के नायक को अपने श्रद्धासुमन अर्पित कर देंगे तो उसका संदेश बिहार के गांव-गांव तक पहुंच जाएगा।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

